हज का बयान

संपादक- मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

☞ हज फर्ज़ हैं.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया ऐ लोगो अल्लाह ने तुम पर हज फर्ज किया हे तो हज करो. [बुखारी, मुस्लीम; अन अबू हुरैरा रदी, रिवायत का खुलासा]

☞ हज नई पेदाईश हे.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया जो शख्स इस घर [काबा] की जियारत को आया और उसने ना तो शहवत [लालसा] की कोई बात की और ना अल्लाह की नाफरमानी का कोई काम किया तो वह अपने घर को उस हालत मे लौटेगा जिस हालत मे उस्की मां ने उसे पैदा किया था [यानी बिल्कुल पाक साफ हो कर लौटेगा, अल्लाह उस्के गुनाहो को माफ कर देगा].

☞ जिहाद के बाद बेहतरीन अमल.

रसूलुल्लाहﷺ से पूछा गया कौन सा काम बेहतर हे? आपने

फरमाया अल्लाह और रसूलﷺ पर इमान लाना. पूछने वाले ने कहा उस्के बाद कौन सा काम सब से बेहतर हे? आपने फरमाया अल्लाह के दीन के लिये जिहाद करना, पूछा गया उस्के बाद कौन सा अमल बेहतर हे? आपने फरमाया वह हज जिस्मे आदमी से अल्लाह की नाफरमानी [अवज्ञा] ना हुई हो. [बुखारी, मुस्लीम; अन अबू हुरैरा रदी रिवायत का खुलासा]

☞ हज मे जल्दी करो.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया जो शख्स हज का इरादा करे उसे जल्दी करनी चाहिये क्योकि हो सकता हे वह बीमार पड जाये, हो सकता हे उटनी खो जाये [यानी सफर करने का जरिया ना रहे, रास्ता खतरनाक हो जाये, सफर खर्च बाकी ना रहे और हो सकता हे कोई जरूरत ऐसी पेश आ जाये जो हज के सफर को नामुम्किन बना दे इस लिये जल्दी करो, मालूम नही क्या मजबूरी आ जाये और तुम हज ना कर सको. [इबने माजा अन इबने अब्बास रदी, रिवायत का खुलासा]

☞ मुस्लमान और हज छोडना.

हजरत हसन (रदी) कहते हे कि हजरत उमर बिन खत्ताब ने

फरमाया, मेरा इरादा यह हे कि इन शहरो [इस्लामी मुल्को] मे कुछ आदमी भेजू जो देखे कि कौन लोग हज कर सकते हे और उन्हो ने नही किया हे फिर वह उन्पर जिजिया लगा दे [वह हिफाजती टैक्स जो गैर मुस्लीम शहरियो से लिया जाता हे] यह लोग मुस्लीम नही हे [अगर "मुस्लीम" होते तो कभी का हज कर चुके होते]. मुस्लीम का मतलब होता हे अपने आप को अल्लाह के हवाले कर देने वाला, अगर उसने वाकई अपने आप को अल्लाह के हवाले कर दिया हे तो वह बगैर किसी मजबूरी के हज जैसी अहम इबादत से गफलत क्यो करेगा. [बुखारी, मुस्लीम;; रिवायत का खुलासा]

☞ हज का सवाब सफर की शुरूवात से सुरू हो जाता हैं.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया जो शख्स हज या उमरा या जिहाद के इरादे से अपने घर से निकला फिर रास्ता मे उसे मौत आ गयी तो अल्लाह उस्को वही सवाब व बदला देगा जो उस्के यहा हाजी, गाजी और उमरा करने वालो के लिये मुकर्रर हे.

[मिश्कात अन अबू हुरैरा रदी, रिवायत का खुलासा]